Name - Mohit Anant , Rajat Anant
Startup name - Anantrm Electric Pvt Ltd.
Product name / Innovation - Semi automatic Electric drive system for heavy weight cylinder transportation within hospitals.
Total Investment till date - 5 Lakh
Incubation centre: NIT Hamirpur (HP)
https://anantrm.wixsite.com/anantbrothers

अनंत ज्ञान

हमीरपुर

'मोड ब्रेकिंग सिस्टम' आविष्कार को मिला 'पेटेंट'

ऑक्सीजन सिलेंडर की 'मोटर चालित ट्रॉली' को इधर-उधर आसानी से ले जाने में मिली थी सहूलियत

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

सूबे के एकमात्र हमीरपुर स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में ऑक्सीजन सिलेंडर लाने ले जाने के लिए मोटर चालित ट्रॉली के आविष्कार को केंद्र ने पेटेंट कर दिया है। इस दोहरे मोड ब्रेकिंग सिस्टम का आविष्कार उस समय हुआ था, जब कोविड काल में कार्यरत स्टाफ को ऑक्सीजन से भरे बड़े सिलेंडर इधर से उधर करने में अच्छी खासी दिक्कत का सामना करना पड़ता था। ठीक उसी समय एनआईटी हमीरपुर के स्टूडेंट्स और अन्य स्टाफ ने इस नए आविष्कार को जन्म दिया था। लंबे इंतजार के बाद केंद्र सरकार के दिल्ली स्थित पेटेंट कार्यालय ने इस पर मोहर लगा दी है। संस्थान के टीम के सदस्यों ने जो आवेदन किया था, उसमें आविष्कार का डिटेल में हवाला दिया था। (अनंत ज्ञान)

अब कंपनी खोलकर रजत और मोहित को मिलेगा रोजगार

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

यही है वह मॉडल, जिसका संस्थान के लोगों ने किया था आविष्कार, अब हो गया पेटेंट।

चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में हुआ था आविष्कार

जिन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में यह आविष्कार साकार हुआ था। उस टीम में रजत अनंत और उनका छोटा भाई इं. मोहित अनंत संस्थान में इलेक्ट्रिकल के स्टूडेंट थे। अब यह लोग स्टार्टअप करके कंपनी खोल सकेंगे खुद भी रोजगार शुरू करेंगे और लोगों को भी देंगे क्योंकि इस ट्रॉली की कॉस्ट बेहद कम पड़ रही है छह सिलेंडर एक साथ ही इस पर लोड किया जा सकते हैं।

डॉ.आरके जरियाल एसो. डीओईई के प्रो. डॉ. राजेश शर्मा, एसो. प्रो. डीओएमई और डॉ. पीके सूद ने यह नया आविष्कार जिला प्रशासन हमीरपुर की फंडिंग से कोविड-19 महामारी की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के दौरान साकार हुआ था। जब अस्पतालों/कोविड केंद्रों के परिसर के भीतर तत्काल चिकित्सा आपूर्ति/मेडिकल ऑक्सीजन सिलेंडरों के परिवहन के संबंध में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सा कर्मचारियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था।

एनआईटी स्टूडेंट्स ने किया डिजाइन

पारंपरिक मेकेनिकल ट्रॉली का उपयोग करना जो एक तरफ एक समय में केवल एक ऑक्सीजन सिलेंडर को संभाल सकता है और दूसरी तरफ आपात स्थिति के दौरान ऐसे उपकरण के कठिन परिश्रम को खींचने के लिए मेडिकल स्टाफ की भारी कमी है। उस कठिन समय के दौरान, इस उत्पाद को श्रीमती के प्रेरक और वित्तीय समर्थन के माध्यम से थोड़े समय के भीतर एनआईटी हमीरपुर में टीम के सदस्यों के अथक प्रयासों से डिजाइन और विकसित किया गया था। तत्कालीन हमीरपुर की डीसी देव श्वेता बनिक ने इसके लिए संस्थान के लोगों को उत्साहित किया था। संस्थान में तब कोविड सेंटर भी था, इसीलिए जरूरत महसूस हुई थी। अब यहां आविष्कार मेडिकल व्यवस्थाओं के लिए सभी संस्थाओं में मान्य होगा। यहां बेहद कम लागत से तैयार किया गया है इसमें लोडिंग और अनलोडिंग बेहद आसान है। पैरामेडिकल और अन्य स्टाफ की कमी के बीच यह उपकरण बेहद फायदेमंद होगा।

देवभूमि मिरर

उपायुक्त देबश्वेता बनिक ने इलेक्ट्रिक ट्रॉली के सिद्धांत व संचालन विधि का लिया जायजा

जिला प्रशासन ने एनआईटी के सहयोग से तैयार की इलेक्ट्रिक ट्रॉली

देवभूमि मिरर/हमीरपुर

जिला प्रशासन हमीरपुर द्वारा एनआईटी हमीरपुर के सहयोग से ऑक्सीजन सिलेंडर के परिवहन

जा चुका है। उपायुक्त ने ट्रॉली का निर्माण करने के लिए एनआईटी

अब एक कर्मचारी आसानी से बदल सकेगा ऑक्सीजन सिलिंडर

संवाद न्यूज एजेंसी

एनआईटी हमीरपुर के विद्यार्थी रजत अनंत ने तैयार की सेमी ऑटोमेटेड ट्रॉली

हमीरपुर। एनआईटी हमीरपुर के विद्यार्थी रजत अनंत ने ऑक्सीजन सिलिंडर बदलने और अस्पताल के भीतर इन्हें आसानी से लाने और ले जाने के लिए सेमी ऑटोमेटिड ट्रॉली तैयार की है।

हमीरपुर की युवा आईएएस देवश्वेता बनिक के प्रोत्साहन से रजत अनंत ने यक कामयाबी हासिल की है। कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर एनआईटी के विद्यार्थी की इस इनोवेशन में कई संभावनाएं नजर आ रही हैं।

डीसी देवश्वेता बनिक ने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही थी। ऑक्सीजन सिलिंडर बार-बार बदलने तथा इन्हें अस्पताल की एक से दूसरी मंजिल तक ले जाने में स्वास्थ्य कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी। एक सिलिंडर बदलने में भी काफी समय लग रहा था। इस कार्य में 5-6 लोगों की सेवाएं लेनी पड़ रही थीं। बाजार में भी कोई सेमी-ऑटोमेटेड ट्रॉली उपलब्ध नहीं थी।

उन्होंने एनआईटी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरके जरयाल और मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार के साथ इस समस्या पर चर्चा की। इंजीनियरिंग एक्सपर्ट की मदद से सेमी-ऑटोमेटेड ट्रॉली विकसित करने का आग्रह किया। एनआईटी निदेशक डॉ. ललित अवस्थी की अनुमति से दोनों विभागों ने इस दिशा में तेजी से कार्य शुरू किया। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थी रजत अनंत ने इस प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू किया। उन्होंने दो माह के भीतर ही छोटे भाई मोहित अनंत की मदद से एक ऐसी सेमी-ऑटोमेटेड ट्रॉली का मॉडल तैयार किया है, जिसके माध्यम से केवल एक व्यक्ति ही ऑक्सीजन सिलिंडर अस्पताल की एक से दूसरी मंजिल तक आसानी से ले जा सकता है। खाली सिलिंडर भी बहुत कम समय में बदल सकता है। पिछले महीने ही बीटेक की डिग्री पूरी करने वाले रजत अनंत प्रतिभाशाली विद्यार्थी हैं। पिछले वर्ष भी उन्होंने इलेक्ट्रिकल चार्ज वाहन से संबंधित एक प्रोटोटाइप तैयार किया था। जिलाधीश ने बताया कि रजत अनंत के नए आविष्कार को मुख्यमंत्री स्टार्ट अप योजना में शामिल करवाने के लिए भी उद्योग विभाग के माध्यम से आवेदन कर दिया गया है। एनआईटी प्रबंधन भी इसके पेटेंट से संबंधित औपचारिकताएं पूरी कर रहा है। इस प्रोजेक्ट में एडीएम जितेंद्र सांजटा और डीएसपी रोहिन डोगरा ने भी रिसर्च टीम के साथ समन्वय स्थापित कर सराहनीय योगदान दिया।

एनआईटी के छात्र की ओर से ईजाद की गई सेमी-ऑटोमेटेड ट्रॉली का अवलोकन करतीं उपायुक्त और अन्य। संवाद

एनआईटी हमीरपुर के छात्र रजत अनंत ने ईजाद की सेमी ऑटोमेटेड ट्रॉली

ऑक्सीजन सिलेंडर को बदलने की समस्या से दिला सकती है निजात

हमीरपुर, (सुरेंद्र कटोच)। विपरीत परिस्थितियां और विकट समस्याएं अक्सर हमारी क्षमता, योग्यता और धैर्य की ही परीक्षा नहीं लेती हैं, बल्कि कुछ नया सोचने एवं करने तथा समस्याओं का समाधान निकालने के लिए भी प्रेरित करती हैं। पिछले डेढ़ वर्ष से अधिक समय से जारी कोरोना संकट ने

स्टार्ट-अप योजना के लिए किया है आवेदन

जिलाधीश देवाश्वेता बनिक ने बताया कि रजत अनंत के नए अविष्कार को मुख्यमंत्री स्टार्ट-अप योजना में शामिल करवाने के लिए भी उद्योग विभाग के माध्यम से आवेदन कर दिया गया है। एनआईटी प्रबंधन भी इसके पेटेंट से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी कर रहा है। इस प्रोजेक्ट में एडीएम जितेंद्र सांजटा और डीएसपी रोहिन डोगरा ने भी रिसर्च टीम के साथ समन्वय स्थापित करके सराहनीय योगदान दिया।

Name: Uttkarsh Chaurasia
Startup Name: Oculosense Private Limited
Product name: Drishti smart glasses for visually impaired
Unit sold: 150
Turnover 2023-24: 25 lacs
Employement generated: 12 people
Total investment: 20 lacs
Manufacturing unit: Sector 69, Gurgaon, Harayana
Incubation center: NIT Hamirpur

Name : Ashwani Rathi
Startup name : Rathi stone industries
Product name / Innovation : Production of slates and mosaic
Unit sold : 7 units
Turnover (2019-20) : 14-15 lacs
Employment generated : 11 people
Total investment : 70 lacs
Manufacturing unit : VPO Panarsa Teh. Aut Distt. Mandi (HP)
Incubation Centre : NIT Hamirpur

हिमाचल जागरण

दैनिक जागरण चंडीगढ़, 2 अगस्त, 2020 3

सराहनीय : कंप्यूटर साइंस इंजीनियर खुद स्वावलंबी बना, 15 लोगों को दिया रोजगार

पारस बन गए पत्थर के टुकड़े

हंसराज सैनी • मंडी

स्लेट व पत्थर के टुकड़ों को तराशकर मंडी के कंप्यूटर साइंस इंजीनियर ने घर की शोभा बना दिया। इससे पर्यावरण को भी संबल मिला। इतना ही नहीं आत्मनिर्भर बनने के साथ 15 अन्य लोगों को रोजगार देकर उनकी रोजी-रोटी की चिंता दूर कर दी। मुख्यमंत्री स्टार्टअप योजना से पनारसा के कंप्यूटर साइंस इंजीनियर अश्वनी राठी ने एक साल में 70 लाख के टर्नओवर का कारोबार खड़ा कर दिया है।

अश्वनी ने स्टार्टअप के तहत 15 लाख रुपये का उद्यम लगा स्लेट व पत्थर के छोटे छोटे टुकड़ों से मोजेक (टाइल) बनाने का काम शुरू किया। मोजेक लोगों को भाए तो कारोबार ने गति पकड़ ली। हिमाचल के अलावा पंजाब, दिल्ली, हरियाणा समेत कई अन्य राज्यों से मोजेक की मांग आने लगी। अब कई देशों में मोजेक का निर्यात करने का खाका तैयार किया है।

पत्थर व स्लेट के टुकड़ों से बना रहा टाइलें व सजावटी सामान, साल में खड़ा कर दिया 70 लाख टर्नओवर का कारोबार

स्वजनों ने पुश्तैनी कारोबार संभालने को कहा

अश्वनी राठी के पिता का स्लेट व गड़सा टाइल आदि का पुश्तैनी काम है। पिता के निर्देश के बाद अश्वनी ने कुछ नया करने की ठान ली। उसने मुख्यमंत्री स्टार्टअप योजना के तहत आवेदन किया। एनआइटी हमीरपुर के विशेषज्ञों की देखरेख में सात माह में प्रोटोटाइप बना। 15 लाख की मशीनरी लगा मोजेक बनाने का काम शुरू कर दिया।

सुझाव/प्रतिक्रिया/नई जानकारी के लिए लिखें
84290-20616
01892-233825-26
dharamshala@drm.jagran.com

आत्मनिर्भर हिमाचल

एमडीयू रोहतक से इंजीनियरिंग की पढ़ाई

अश्वनी ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक (हरियाणा) से 2015 में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में बीटेक किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद दिल्ली व गुरुग्राम में कई कंपनियों में बतौर सॉफ्टवेयर डेवलपर के रूप में काम किया। मेहनत के अनुरूप पगार नहीं मिली तो अपना काम करने की सोची।

स्लेट व पत्थर के टुकड़ों से तैयार किए गए मोजेक • जागरण

मजदूरों व कामगारों को 15 से 20 हजार तक वेतन

कंप्यूटर पर मोजेक के डिजाइन तैयार कर टाइलें बनाने का काम शुरू किया। काम बढ़ा तो रोजगार भी बढ़ा। मजदूरों व कामगारों को 15 से 20 हजार रुपये मासिक वेतन दिया जा रहा है।

पर्यावरण के लिए स्लेट व पत्थर के बेकार टुकड़े चुनौती

स्लेट व पत्थर खदानों से बड़ी मात्रा में बेकार टुकड़े निकलते हैं। इनका कोई उपयोग नहीं होता है। टुकड़ों के ढेर से जमीन की बर्बादी हो रही थी, पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा था। अब टुकड़ों का उपयोग होने से ढेर नहीं लग रहे हैं।

स्लेट व पत्थर के टुकड़ों से बनाए गए मोजेक के डिजाइन वास्तुकारों को दिखाए गए। उन्होंने लोगों को सजावट के लिए मोजेक लगाने के सुझाव दिए तो मांग बढ़ने लगी। दूसरे के लिए 12 घंटे काम करने की बजाय अगर उतना समय खुद के काम को दिया जाए तो आउटपुट अधिक आता है। पुश्तैनी काम में जो खामियां थीं, उन्हें दूर किया तो कारोबार चमक उठा। -अश्वनी राठी, एमडी राठी स्टोन इंडस्ट्री पनारसा।

सुशील ने संभाला एसजेवीएन के निदेशक का कार्यभार

638 रुपये में ही मिलेगा रसोई गैस सिलेंडर

नाथपा झाकड़ी परियोजना में रिकॉर्ड विद्युत उत्पादन

Name : Anirudh Thakur
Startup name : Hagri Innovations pvt ltd
Product name / Innovation : Portable automatic apple grading and brushing machine
Unit sold : 7 units
Turnover (2019-20) : 14-15 lacs
Employment generated : 7 people (All from himachal)
Total investment : 10 lacs
Manufacturing unit : village- majthai ,P.o- badehari ,tehsil & distt Shimla
Incubation Centre : NIT Hamirpur

Name : Rajesh Kumar
Startup name : Thakur mechanical tool & Thakur Agro private limited
Product name / Innovation: Agricultural Tool Power bider tool [Chota Nandi]
Turnover: Prototype development stage and Patent filed (patent application number: 202111004282A filing date 1-2-2021 and publication date 12-2-2021.)
Employment generated: Nil
Proposed equipment cost: ₹35000/-
Manufacturing unit: Village Mohan, PO Jhanyari Distt Hamirpur(HP)
Incubation Centre: NIT Hamirpur (H.P)